



## PVTG के लिये प्रधानमंत्री-जनमन आवास

### प्रलिस के लिये:

वशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह, PM-जनमन योजना, जनजातीय गौरव दविस, वकिसति भारत संकल्प यातरा, PM PVTG मशिन, PM गति शक्ति पोर्टल

### मेन्स के लिये:

PVTG के लिये सतत् आजीविका, आबादी के कमज़ोर वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

स्रोत: द हट्टि

### चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री जनजातिआदविसी न्याय महा अभयान (PM-JANMAN) के आवास घटक, जसिका उद्देश्य वशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों के लिये आवास प्रदान करना है, को इसके सुचारु कार्यान्वयन में बाधा डालने वाली महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

### PM-JANMAN के कार्यान्वयन में बाधक चुनौतियाँ क्या हैं?

- डेटा वसिंगतियाँ:
  - केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों और राज्यों द्वारा अभनिरिधारति कयि गए आँकड़ों के बीच वसिंगतियाँ सामने आई हैं। डेटा में यह असमानता संभावति लाभार्थियों के सटीक अभनिरिधारण करने में एक बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न करती है।
  - केंद्र ने 75 PVTG की कुल आबादी का अनुमान लगाने के लिये PM गति शक्ति पोर्टल पर भरोसा कयिा, जसिके परणामस्वरूप अलग-अलग आँकड़े सामने आए।
    - थोड़े ही समय में अनुमान 28 लाख से बढ़कर 44.64 लाख हो गया, जो डेटा संग्रह में वसिंगतियों का संकेत देता है।
  - राज्य सरकारों को अपने सर्वेक्षण करने के लिये सीमति समय-सीमा दी गई, जसिके कारण डेटा संग्रह प्रक्रियाएँ जल्दबाज़ी में और अधूरी रह गईं।
    - केरल, मध्य प्रदेश और त्रिपुरा जैसे राज्यों ने डेटा में वसिंगतियों के कारण लाभार्थियों के छूट जाने को लेकर चतिा जताई है।
      - उदाहरण के लिये, मध्य प्रदेश को केंद्र द्वारा अधिसूचति गाँवों के बाहर 50,000 अतरिकित पात्र परिवार मलि हैं।
- धीमी प्रगतति:
  - लाभार्थी डेटा के एक साथ संग्रह और परयोजना कार्यान्वयन के कारण PM-JANMAN के आवास घटक में वलिंब हुआ है। लक्षति 5 लाख घरों में से केवल 1.59 लाख को मंजूरी दी गई है, जो प्रारंभिक लक्ष्य से काफी पीछे है।
- चुनावी साल का दबाव:
  - योजना को तीव्र गति से कार्यान्वति कयिा जा रहा है, वशिष रूप से आगामी आम चुनाव वर्ष 2024 को देखते हुए। प्रगतति दर्शाने की शीघ्रता संपूर्ण योजना और नषिपादन से समझौता कर सकती है, जो संभावति रूप से आवास वतिरण की गुणवत्ता तथा समावेशति को प्रभावति कर सकती है।
- भौगोलिक चुनौतियाँ:
  - सुदूर और दुरगम कषेत्रों में पात्र लाभार्थियों का अभनिरिधारण करना तार्किक चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। जनजातीय कषेत्रों में बुनयिादी ढाँचे और संचार नेटवर्क की कमी डेटा संग्रह प्रयासों में बाधा डाल सकती है तथा आवास योजना के कार्यान्वयन में देरी कर सकती है।
- आवागमन जनसंख्या गतिशीलता:
  - जनजातीय आबादी, वशिष रूप से PVTG, प्रायः रोजगार और आजीविका के अवसरों की तलाश में प्रवासी पैटर्न प्रदर्शति करते हैं।
    - जनसंख्या आवागमन की यह गतिशील प्रकृति पात्र लाभार्थियों का सटीक अनुमान लगाने और उनकी पहचान करने के कार्य को जटलि बनाती है, जसिके लिये व्यापक कवरेज सुनश्चति करने के लिये अनुकूली रणनीतियों की आवश्यकता होती है।

# PM-JANMAN क्या है?

## परिचय:

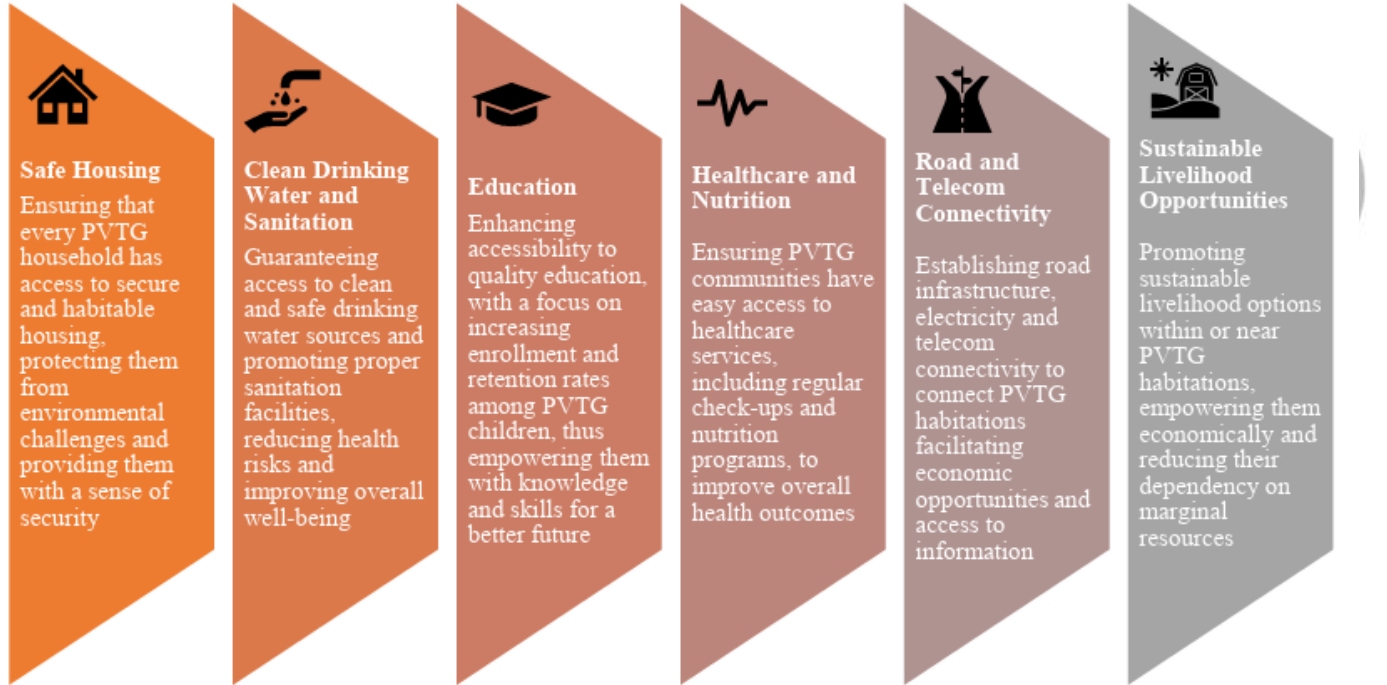
- 15 नवंबर 2023 को **जनजातीय गौरव दिवस** पर लॉन्च किया गया PM-JANMAN, PVTG के सामाजिक-आर्थिक कल्याण में सुधार के लिये **9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर केंद्रित** है।
- PM-JANMAN में PVTG की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिये **केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाएँ** शामिल हैं।
- इस योजना का **कुल परियोजना की अवधि में 24,104 करोड़ रुपए खर्च** किया जाना है, जिसमें से **लगभग 80% केवल घरों और सड़कों के निर्माण के लिये** है।
  - PM-JANMAN के आवास घटक को लागू करने हेतु **अनुसूचित जनजातियों के लिये विकास कार्य योजना (DAPST)** के तहत अगले तीन वर्षों के लिये 15,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

## दूरदर्शिता:

- PM-जनमन स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में अंतर को पाटकर PVTG की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की परिकल्पना करता है।
  - नौ मंत्रालयों/वभागों की मौजूदा योजनाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए PVTG समुदायों, बस्तियों और परिवारों में बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

## लक्ष्य:

- मशीन का प्राथमिक लक्ष्य PVTG की आवश्यक सुविधाओं और सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करके उनकी जीवन स्थितियों को व्यापक रूप से बढ़ाना है। जिसमें ये भी शामिल हैं:

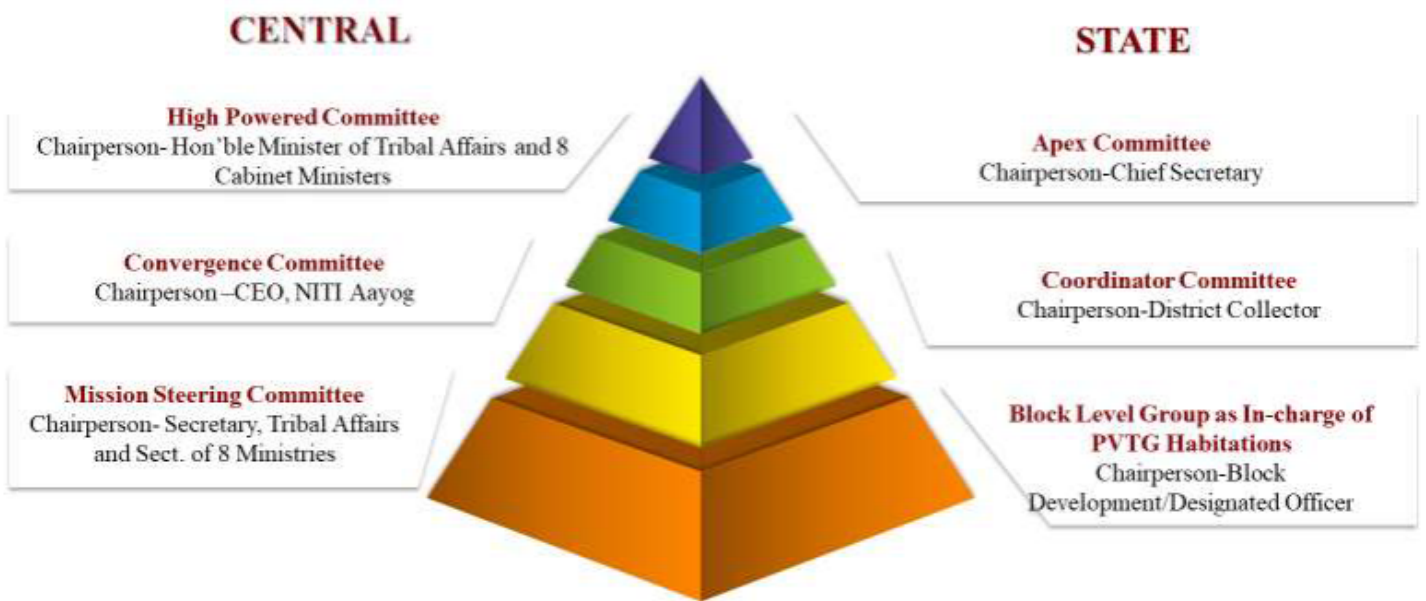


## PM-JANMAN की मूलभूत विशेषताएँ:

- अंतर-मंत्रालयी अभिसरण:**
  - एक अनुदे दृष्टिकोण में, भारत सरकार के **9 मंत्रालय जनजातीय कार्य मंत्रालय** के नेतृत्व में सहयोग करते हैं।
    - प्रत्येक मंत्रालय सामूहिक रूप से सबसे कमज़ोर आदवासी समुदायों के व्यापक कवरेज और कल्याण को सुनिश्चित करते हुए अपनी योजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख करता है।
- योजनाओं/कार्यक्रमों का संरेखण:**
  - जनजातीय समुदायों की वशिष्ट आवश्यकताओं** को पूरा करने के लिये संबंधित मंत्रालयों के भीतर योजनाओं के मौजूदा मानदंडों को संशोधित किया गया है।
    - प्रस्तुत किये गए कार्यक्रमों में PM-जनमन के उद्देश्यों का प्रभावी ढंग से एकीकरण सुनिश्चित करने हेतु संशोधित दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं।
- योजना का कवरेज:**
  - PM-जनमन का लक्ष्य **18 राज्यों और 1 केंद्रशासित प्रदेश** के शैक्षिक, स्वास्थ्य और आजीविका के सामाजिक-आर्थिक आयामों में पछिड़े **75 PVTG** का कल्याण करना है।
    - योजना के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका सहित विभिन्न क्षेत्रों में आदवासी समुदायों को समग्र सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- **अंतराल की पहचान:**
  - राज्य सरकारों द्वारा किये गए सर्वेक्षणों के माध्यम से, प्रत्येक लक्ष्य क्षेत्र में वदियमान अंतराल की पहचान की जाती है।
    - सर्वेक्षण से प्राप्त डेटा को **PM गति-शक्ति पोर्टल** पर अपडेट किया जाता है जो सटीकता और पूर्णता सुनिश्चिती करने के लिये संबंधित मंत्रालयों और राज्य विभागों द्वारा क्रॉस-सत्यापन को सक्षम बनाता है।
- **नधिका प्रावधान:**
  - कुल 11 हस्तक्षेपों में से प्रत्येक हस्तक्षेप के लिये नधिका स्रोत संबंधित मंत्रालयों/विभागों को PM-जनमन द्वारा कवर की गई उनकी पहचानी गई योजनाओं के तहत आवंटित **DAPST अनुदान** है।
    - मशिन के सफल कार्यान्वयन के लिये समर्पित धन की उपलब्धता सुनिश्चिती करने के लिये DAPST तंत्र अनुकूलन की अनुमति प्रदान करता है।
- **प्रोत्साहन तंत्र:**
  - प्रदर्शन संकेतकों में **मासिक वृद्धशील परिवर्तनों के आधार पर ज़िलों की रैंकिंग** के माध्यम से प्रदर्शन मूल्यांकन किया जाता है।
  - इसका उद्देश्य ज़िला टीमों के बीच प्रतस्पर्द्धा की भावना को बढ़ावा देना है। शीर्ष तीन ज़िलों और मंत्रालयों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये मान्यता दी जाएगी तथा पुरस्कृत किया जाएगा।

## IMPLEMENTATION STRUCTURE



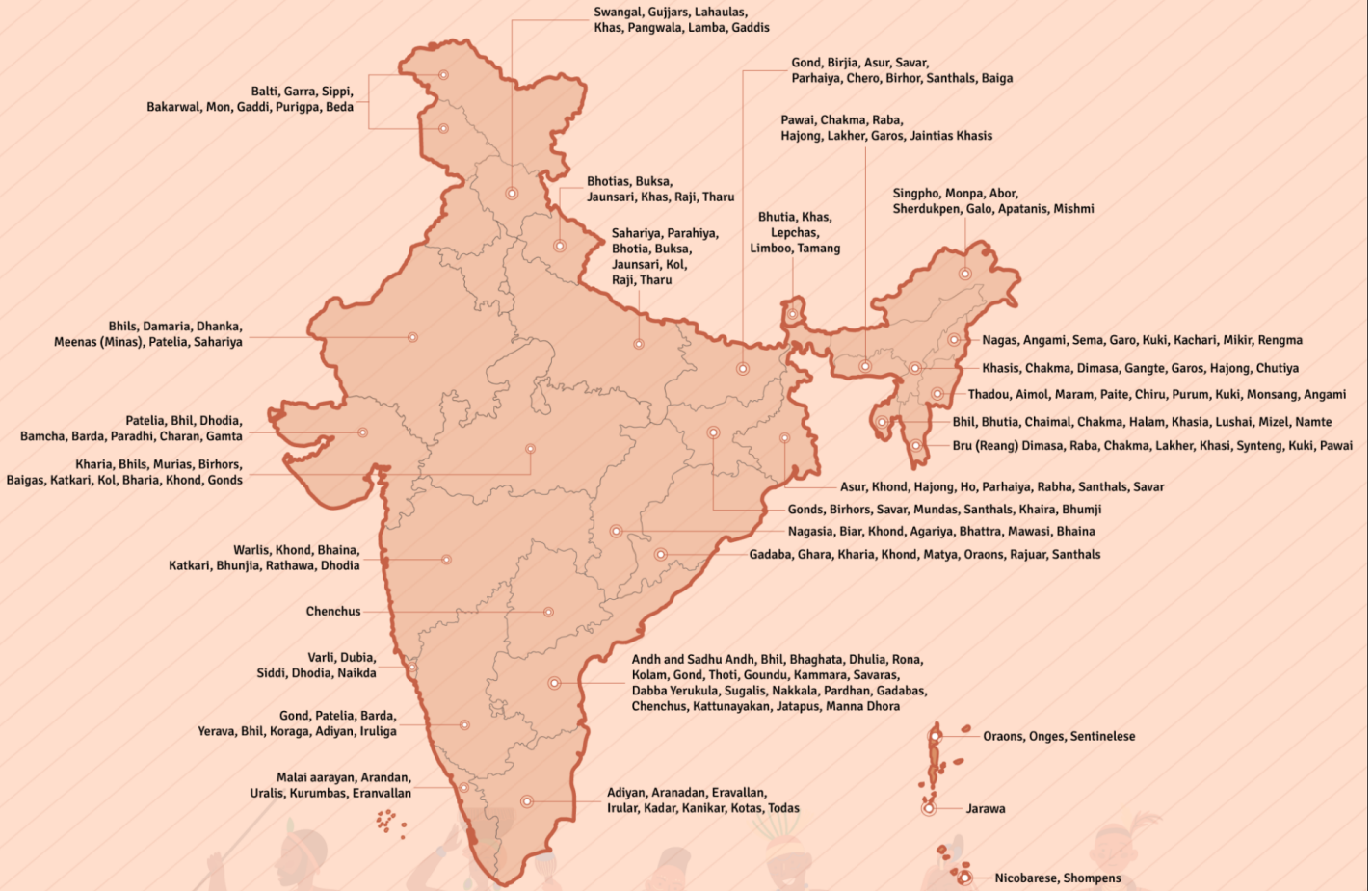
नोट:

- DAPST भारत में जनजातीय विकास के लिये एक रणनीति है। जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा **41 अन्य मंत्रालय एवं विभाग** DAPST के तहत जनजातीय विकास परियोजनाओं के लिये धन आवंटित करते हैं।
  - इन परियोजनाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सचिवाई, सड़कें, आवास, वदियुतीकरण तथा रोजगार शामिल हैं।

## PVTGs के लिये अन्य पहलें क्या हैं?

- [जनजातीय गौरव दविस](#)
- [वकिसति भारत संकल्प यात्रा](#)
- [पीएम PVTG मशिन](#)

# भारत में प्रमुख जनजातियाँ



- अनुसूचित जनजाति भारत की जनसंख्या का 8.6% है (जनगणना 2011)। मौजूदा राष्ट्रीय जनजातीय नीति, 2006 में भारत की 698 अनुसूचित जनजातियाँ दर्ज हैं।
- विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs) ऐसी जनजातियों का समूह है जो जनजातीय समूहों के बीच अधिक असुरक्षित/सुभेद्य हैं। 75 सूचीबद्ध PVTGs में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।
- गोंड के बाद भील सबसे बड़ा आदिवासी समूह (भारत की कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी का 38% है)।
- भारत की सबसे अधिक जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश में पाई जाती है (जनगणना 2011)।
- संथाल भारत की सबसे पुरानी जनजाति है। संथालों की शासन प्रणाली, जिसे मांडी-परगना के नाम से जाना जाता है, की तुलना स्थानीय स्वशासन से की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परिशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, लक्षद्वीप के ऐसे निवासी जो स्वयं और जिनके माता-पिता दोनों इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में माना जाता है।
- संविधान का अनुच्छेद 342 अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन के लिये अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का निर्धारण करता है।
- अनुच्छेद 275 अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष धन देने का प्रावधान करता है।

## आगे की राह

- डेटा सटीकता सुनिश्चित करने के लिये मानकीकृत डेटा संग्रह पद्धत लागू करना।
  - गुणवत्ता से समझौता किये बिना डेटा संग्रह तथा प्रोजेक्ट नधिपादन में तेज़ी लाने हेतु सुव्यवस्थति प्रक्रियाओं को लागू करना।
- समावेशति एवं प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु योजना के कार्यान्वयन में जनजातीय समुदायों को शामिल करना।
- डेटा संग्रह एवं योजना कार्यान्वयन को सुवधिजनक बनाने के लिये आदविसी क्षेत्रों में बुनयिादी ढाँचे के साथ-साथ संचार नेटवर्क में नविस करना।
  - जनजातीय समूहों के बीच गतशील जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए अनुकूली रणनीतियाँ वकिसति करना और साथ ही पात्र लाभार्थियों का व्यापक कवरेज सुनिश्चित करना।
- दक्षता एवं प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु डेटा संग्रह तथा योजना कार्यान्वयन में शामिल हतिधारकों के लिये प्रशिक्षण और क्षमता नरिमाण कार्यक्रम प्रदान करना।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. भारत में वशिस रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. PVTG 18 राज्यों और एक केंद्रशासति प्रदेश में नविस करते हैं।
2. स्थरि या कम होती जनसंख्या PVTG स्थतिनरिधारण के मानदंडों में से एक है।
3. देश में अब तक 95 PVTG आधकिारकि तौर पर अधसूचित हैं।
4. PVTGs की सूची में ईरूलर और कौंडा रेड्डी जनजातियाँ शामिल की गई हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही है?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2, 3 और 4
- (c) 1, 2 और 4
- (d) 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति युग्मों पर वचिर कीजयि: (2013)

जनजाति - राज्य

1. लब्वि (लमिबु) - सक्किमि
2. कारबी - हमिाचल प्रदेश
3. डोंगरयिा कौंध - ओडशिस
4. बौंडा - तमलिनाडु

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा सही सुमेलति है?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

**??????:**

प्रश्न. सवतंत्रता के बाद अनुसूचित जनजातियों (ST) के प्रतभिेदभाव को दूर करने के लिये राज्य द्वारा की गई दो प्रमुख वधिकि पहलें क्या हैं? (2017)

प्रश्न. क्या कारण है कि भारत में जनजातियों को 'अनुसूचित जनजातियाँ' कहा जाता है? भारत के संवधिान में प्रतषिठापति उनके उत्थान के लिये

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pm-janman-housing-for-pvtgs>

